**<u>मुख्यालय, हैदराबाद में आयोजित राजभाषा संबंधी प्रमुख गतिविधियां</u>**

**पखनि ने वर्ष 2023 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में कई उपलब्धियां प्राप्त की उन में प्रमुख है,**

- डॉ. जितेन्द्र सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान प्रौद्योगिकी मंत्रालय, राज्य मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय, राज्य मंत्री, कार्मिक, जन शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष राज्यमंत्री की अध्यक्षता में दिनांक 20.03.2023 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन, एनेक्स में परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग की पुनर्गठित संयुक्त हिंदी सलाहकार समिति की दूसरी बैठक आयोजित की गई ।

  संयुक्त हिंदी सलाहकार समिति की उक्त बैठक में परमाणु ऊर्जा विभाग की ओर से श्री के. एन. व्यास, अध्यक्ष, प.ऊ.आयोग, एवं सचिव, प.ऊ.विभाग, श्री भुवन चंद्र पाठक, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपीसीआईएल, मुम्बई, श्री संजय कुमार, संयुक्त सचिव (प्रशा. एवं लेखा), पऊवि, मुम्बई, श्री भास्करन सरवणन, निदेशक, पखनि, हैदराबाद, डॉ. दीप प्रकाश, विशेष कार्य आधिकारी,प.ऊ.विभाग, नई दिल्ली एवं डॉ. कृष्ण कुमार पाण्डेय, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली ने भाग लिया ।
- **संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति पखनि के क्षेत्रीय कार्यालयों का निरीक्षण**

- संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति द्वारा दिनांक 12.11.2022 को परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद एवं दिनांक 26.09.2022 को क्षेत्रीय कार्यालय, पूर्वोत्तर क्षेत्र, शिलांग के निरीक्षण के दौरान समिति को दिए गए सभी आश्वासनों को निर्धारित समयावधि में पूरा किया गया |
- **<u>वैज्ञानिक संगोष्ठी</u>:**

- परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय, दक्षिण मध्यवर्ती क्षेत्र, हैदराबाद द्वारा 20 जनवरी, 2023 को **"कडप्पा व समकालीन द्रोणियों में खनिजीकरण तथा खनिज अन्वेषण में बहुमुखी आयाम एवं चुनौतियाँ"** विषय पर एक दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

- परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय,पुलिन बालू एवं अपतटीय अन्वेषण वर्ग, तिरुवनंतपुरम द्वारा 24 मार्च, 2023 को **"भारत में परमाणु खनिजों की आत्मनिर्भरता और भविष्य की चुनौतियाँ"** विषय पर एक दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया ।

- परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली में 15 सितम्बर, 2023 को ``**उत्तरी क्षेत्र की भूगर्भीय संरचनाओं के परिप्रेक्ष्य में परमाणु खनिज संसाधन: संभावनाएं एवं अभिकल्पनाएं**`` विषय पर एक दिवसीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया किया गया । वैज्ञानिक संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्रों को संकलित कर स्मारिका के रूप में संयुक्तांक प्रकाशित किया गया है ।
- दक्षिण मध्यवर्ती क्षेत्र, हैदराबाद द्वारा 20 जनवरी, 2023 को एवं पुलिन बालू एवं अपतटीय अन्वेषण वर्ग, तिरुवनंतपुरम द्वारा 24 मार्च, 2023 को आयोजित हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्रों की स्मारिका के संयुक्तांक का विमोचन हिंदी पखवाड़ा-2023 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान निदेशक महोदय के करकमलों से किया गया है ।

पखनि मुख्यालय, हैदराबाद में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में राजभाषा कार्यान्वयन समिति और हिन्दी अनुभाग द्वारा सतत् प्रयास जारी है ताकि दिन प्रतिदिन कार्यालयी कार्य में कार्यान्वयन सुचारू रूप से आगे बढ़े। इस दिशा में, इस वर्ष आयोजित हिन्दी कार्यशालाओं में 56 अधिकारियों एवं 90 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया । हिन्दी शब्द संसाधन प्रशिक्षण में 50 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया ।

**वर्ष 2022-23 के लिए पखनि नराभाकास-4 'राजभाषा शील्ड'से सम्मानित :**

दिनांक 06.12.2023 को रेलवे कार्यालय, सिकंदराबाद में आयोजित नराभाकास-4 की बैठक के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद की नराकास राजभाषा शील्ड योजना के अंतर्गत पखनि, मुख्यालय हैदराबाद को राजभाषा नीतियों के उत्कृष्ट कार्यान्वयन एवं गृह पत्रिका "खनिज भारती" को सर्वश्रेष्ठ ई-पत्रिका वर्ग में प्रथम पुरस्कार स्वरूप राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया है । पखनि के निदेशक श्री भास्करन सरवणन ने उक्त बैठक में भाग लेकर राजभाषा शील्ड प्राप्त की । दिनांक 21.06.2023 को पखनि, बेगमपेट, हैदराबाद कार्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति हैदराबाद-4 की हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

**<u>हिन्दी पखवाड़ा :</u>**

परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद में 12 अक्तूबर 2023 को हिन्दी पखवाड़ा-2023 के समापन समारोह का आयोजन किया गया । इसके समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ई.सी.आई.एल. हैदराबाद ने अपने संबोधन में राजभाषा हिन्दी के संबंध में, देश-विदेश में हिन्दी व अन्य भारतीय भाषाओं के महत्व का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया । मुख्य अतिथि, पखनि के निदेशक, श्री भास्करन सरवणन एवं अपर निदेशक (प्रचालन-1) डॉ. कल्याण चक्रबर्ती जी, ने मंच की शोभा बढ़ाई ।

इस अवसर पर पखनि मुख्यालय में हिन्दी में श्वेत पटल पर प्रस्तुति योजना के अंतर्गत विजेता अनुभागों को शील्ड प्रदान प्रदान किये गये तथा हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया ।